आजा हारे के सहारे

आँखों के आँसू, हर पल पुकारे,
आजा हारे के सहारे xll"-ll

गहरी नदी है, तेज़ है धारा।
रात अँधेरी, दूर किनारा ॥
माँझी बनकर, करके तूँ ही तो,
सबको पार उतारे,,,
आजा हारे के सहारे xll"

आस की माला, टूट गई है,
शायद किस्मत, रूठ गई है ॥
ग़ैर हो गए, जो थे अपने,
हम अपनों से हारे,,,
आजा हारे के सहारे xll"

ऐसा कोई, नज़र न आए,
जो इस दिल को, धीर बँधाए ॥
जो देखे थे, सपने मैंने,
चूर हो गए सारे,,,
आजा हारे के सहारे xll"

देर करो न, कृष्ण कन्हईया,
पार लगा दो, मेरी नईया ॥
कैसे फूल, खिलेंगे बेधड़क,
यह पतझड़ के मारे,,,
आजा हारे के सहारे xll"
आँखों के आँसू, हर पल पुकारे,
आजा हारे के सहारे xll"

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21723/title/aaja-haare-ke-sahare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |